अपना-अपना काम करो

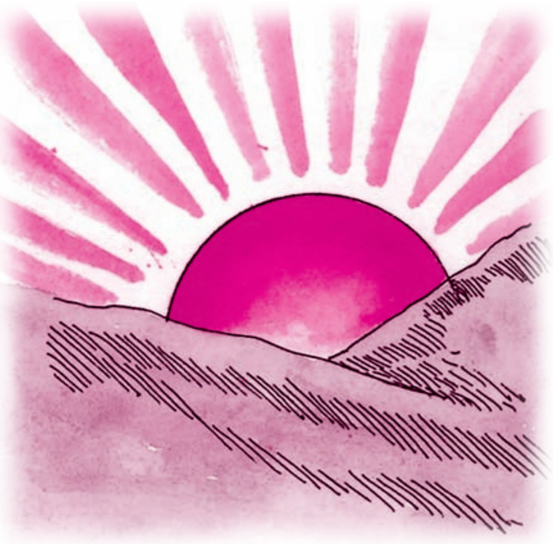

एक दिन की बात है । सुहाना सा सवेरा। एक आदमी को पासवाले गाँव में जरूरी काम था । वह फौरन घर से निकल पड़ा । सोचा– अभी मौसम अच्छा है । जल्दी से काम निपटा लूँगा । वह तेजी से डग भरता हुआ चलने लगा । उसने कमर में धोती बाँध ली, एक कुर्ता पहन लिया और गले में गमछा लपेट लिया ।

बड़ी अच्छी हवा चल रही थी । मंद पवन ! वह खुश हुआ । थोड़ी दूर चला ही था कि पूरब से सूरज उग आया । लाल लाल सा वह गोला । आदमी उसे देख काफी खुश हुआ । लेकिन उसे तो चलना ही था न !

इतने में उसे लगा कि सूरज और हवा आपस में झगड़ रहे थे । सूरज ने कहा– "मैं न होता तो संसार मर जाता ।" हवा बोली– "भैया ! यह तो सोचो कि अगर मैं न होती तो कौन साँस लेता ?" सूरज बोला– "बहन, तुम्हारी तो ठाट निराली है, कभी रुक–रुक कर चलती हो तो कभी तेज । कभी एकदम सन्न । बोलो तो,

सबको क्यों परेशान करती हो ?'' हवा बोली– ''भैया ! तुम क्या करते हो ? इतना तपते हो कि दुनिया तप जाती है । परेशान होकर कहती है– कब यह निगोड़ा डूब जाय ।''

पथिक उनकी बात सुन रहा था पर जल्दी–जल्दी चलता चला जा रहा था । तब तक गुस्से में आकर हवा सनसना रही थी और सूरज भी तैश में आकर काफी गर्म हो गया था । दोनों ने सोचा– चलो, इस पथिक से पूछते हैं । यह बता देगा कि दोनों मे से कौन अच्छा है और कौन बड़ा है ।

पथिक ने दोनों की बातें सुनीं। बोला– ''देखो जी, तुम अपनी–अपनी औकात समझो । दुनिया में न कोई बड़ा है न कोई छोटा । बोलो तो, मेरा पाँव बड़ा है कि सिर ! चलने के लिए पाँव चाहिए और सोचने को सिर । इनमें कौन छोटा है और कौन बड़ा ? चलो, दोनों अपना–अपना काम करो। झगड़ा छोड़ो । न मुझको सताओ और न ही दुनिया को । किसी को न सताने वाला ही सबसे अच्छा होता है । वही सबसे बड़ा है ।''

सब खुश हुए और अपने अपने रास्ते चलते बने ।

- लक्ष्मीधर दाश

शिक्षक के लिए :

शिक्षक कोई कहानी सुनाकर छात्रों के मन में अहंकार के दुष्परिणाम और सहयोगमूलक मनोभाव की उपयोगिता पर श्रद्धा और विश्वास उत्पन्न करने का प्रयास करेंगे।

शब्दार्थ :

सुहाना	-	सुहावना, सुंदर
जरूरी	-	आवश्यक
डग भरना	-	चलना
काफी	-	बहुत
आपस में	-	परस्पर
निराली	-	आश्चर्यजनक
सन्न	-	रुक जाना
तपना	-	गर्म होना
निगोड़ा	-	एक गाली
तैश	-	गुस्सा
औकात	-	योग्यता
सनसनाना	-	सन्सन् की आवाज करना

अनुशीलनी

प्रश्न१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से बताइए :

(i) आदमी को कहाँ जरूरी काम था?
(ii) जल्दी से काम निपटाने के लिए आदमी ने क्या किया?
(iii) आदमी ने गले में क्या लपेट लिया?
(iv) उगता हुआ सूरज कैसा था?
(v) हवा और सूरज ने किससे पूछने को सोचा?
(vi) हमें सोचने के लिए क्या चाहिए?

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) आदमी ने क्या सोचा ?
(ii) उसने क्या पहना था ?
(iii) सूरज और हवा में क्यों झगड़ा हुआ ?
(iv) सूरज ने हवा से क्या कहा ?
(v) पथिक ने उन्हें क्या उत्तर दिया ?
(vi) हमें क्या करना चाहिए ?

प्रश्न ३. इन प्रश्नों के उत्तर एक एक वाक्य में दीजिए :

(i) आदमी कहाँ जा रहा था ?

(ii) वह किसे देखकर खुश हुआ ?

(iii) कौन झगड़ा सुन रहा था ?

(iv) गुस्से में हवा की हालत कैसी हो रही थी ?

(v) तैश में आकर सूरज कैसा हो गया ?

(vi) वे पथिक से क्या पूछते हैं ?

(vii) कौन सबसे अच्छा होता है ?

प्रश्न ४. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर भरिए :

(आपस में, दुनिया, सिर, सुहाना–सा, लाल–लाल–सा, औकात)

(i) .... सबेरा।

(ii) सूरज और हवा .... झगड़ रहे थे ।

(iii) .... सा सूरज का गोला ।

(iv) इतना तपते हो कि ...... तप जाती है ।

(v) पथिक ने कहा, ''तुम अपनी – अपनी .... समझो ।''

(vi) चलने के लिए पाँव चाहिए और सोचने को .... ।

भाषा - कार्य

संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं ।

जैसे – लाल सूरज । सूरज संज्ञा है । लाल उसकी विशेषता बताता है ।

प्रश्न ५ नीचे कुछ विशेषण और कुछ संज्ञाएँ एक साथ आई हैं । उन्हें अलग–अलग कीजिए :

अच्छी हवा	अपना काम
काफी खुशी	थोड़ी दूर
मंद पवन	लाल गोला

प्रश्न ६. 'क' स्तम्भ के शब्दों का 'ख' स्तम्भ के पर्यायवाची शब्दों के साथ मिलान कीजिए :

'क'	'ख'
तैश	योग्यता
जरूरी	आश्चर्यजनक
औकात	बहुत
निराली	आवश्यक
काफी	गुस्सा

प्रश्न ७. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

तैश, परेशान, दुनिया, काफी, निराली, औकात, खुश ।

प्रश्न ८ . निम्नलिखित शब्दों की मात्रागत अशुद्धियों को सुधार कर लिखिए :

सुरज, शांस, परेसान, तूम, खूस ।

आपके लिए काम

आप ऐसा एक चित्र बनाइए जिसमें छात्रों को मिलजुलकर सामूहिक सफाई जैसे सामाजिक कार्य करते हुए दिखाया गया हो।

फुटवॉल मैच के समय एक दल के खिलाड़ी मिलजुलकर न खेलने से क्या असुविधा होती है, इस पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

क्या आप जानते हैं ?

१. अ आ क म आदि ध्वनियाँ हैं ।

उनके दो रूप हैं – उच्चरित रूप (ध्वनि)

– लिखित रूप (वर्ण)

२. एक या अनेक ध्वनियों का उच्चारण करने से शब्द बनता है । शब्द का अर्थ होता है ।

३. अनेक शब्दों को एक साथ बोलने से वाक्य बनता है ।

वाक्य का निश्चित अर्थ होता है ।

वाक्य के दो अंग हैं – १. कर्त्ता – राम

२. क्रिया – जाता है ।

४. कर्त्ता के– १. लिंग: पुंलिंग – राम जाता है ।

स्त्रीलिंग – सीता जाती है ।

२. वचन: एक वचन – एक लड़का जाता है ।

बहु वचन – दो लड़के जाते हैं ।

३. पुरुष: उत्तम – मैं – हम

मध्यम – तू – तुम, आप

अन्य – वह – वे

विशेष

५. हिन्दी में कर्त्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार क्रिया बनती है ।